RKSD COLLEGE, KAITHAL

("A" Grade, NAAC Accredited)

Affiliated to Kurukshetra University Kurukshetra

Cultural Preservation through Festival Fiesta

District-level Gita Jayanti Festival Celebration

Under the auspices of District Administration to celebrate 'Gita Jayanti Festival', a 3-days Seminar on "Relevance of 'Bhagwad Gita' in Today's Context" was held on 16,17,18 December 2018 in the College Hall. Dr. R.K. Gupta, former Head, Dept. of Political Science and Dr. Rishi Pal Bedi, Principal, Govt. College, Kaithal were the main speakers.

IV www.punjabkesari.in (कैथल केसरी)

जिला स्तरीय गीता महोत्सव समापन पर वक्ताओं ने सम्बोधन में कहा–

मन की शांति के लिए 'गीता' से महान कोई ग्रंथ नहीं

कैथल, 18 दिसम्बर (महीपाल/गौरव): जिला स्तरीय गीता महोत्सव के सायं कालीन सैमीनार का शुभारंभ आर.के.एस.डी. शिक्षण संस्था के प्रधान साकेत मंगल तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर सिंह कुंडू व अन्य वक्ताओं ने दीप प्रज्वलन से किया। उन्होंने सभी वक्ताओं को प्रशंसा पत्र भी वितरित किए। प्रधान मंगल ने कहा कि गीता जयंती महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रम जिला स्तर व खंड स्तरों पर आयोजित किए जा रहे हैं। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन का लक्ष्य गीता के ज्ञान को घर-घर पहुंचाना है। उन्होंने गीता के संदेश के संदर्भ में स्वयं का अनुभव सांझा करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं गीता के 11वें अध्याय का बार-बार अध्ययन किया है। मन की शांति के लिए श्रीमद् भगवद् गीता से महान कोई ग्रंथ नहीं है।

अतिरिक्त उपायुक्त व कलायत के उपमंडलाधीश जगदीप सिंह ने गीता में दिए गए कर्म के संदेश के संदर्भ में कहा कि हमें नि:स्वार्थ भाव से कर्म करना चाहिए। डा. भीम राव अम्बेदकर राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डा. ऋषिपाल बेदी ने बतौर वक्ता कहा कि भक्ति व कर्म से भगवान को प्राप्त किया जा सकता है। सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफैसर डा. आर.के. गुप्ता ने कहा कि महाभारत युद्ध के मैदान में कृष्ण अपने सगे सम्बंधियों को आमने-सामने देखकर मोह ग्रस्त हो गए थे। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ऐसी मनो स्थिति से बाहर निकालने के लिए गीता का अमर संदेश देते हुए कहा था कि आत्मा अजर-अमर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना नीयत कर्म करना चाहिए। उन्होंने ज्ञान योग व कर्म योग पर भी प्रकाश डाला। श्रीकृष्ण कृपा सेवा समिति के जिला प्रभारी दिनेश पाठक ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गीता जयंती महोत्सव के आयोजन का यह सरकार का हितकारी फैसला है, जिससे गीता के अमर संदेश को घर-घर तक पहुंचाने में सफलता मिलेगी। इस मौके पर नगराधीश विजेंद्र हुड्डा, पुलिस उपाधीक्षक रामकुमार, संस्था के महासचिव पंकज बंसल, प्राचार्य संजय कुमार गोयल, बीबी भारद्वाज, सुषम कपूर के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दीप प्रज्वलित करते विधायक कुलवंत बाजीगर, शानदार प्रस्तुतियां देते व हाथों पर कलाकृति बनाते विद्यार्थी। (रमेश)

District-level Gita Jayanti Festival Celebration cont…..

हमें स्वयं के स्वरूप को समझने की जरूरत : गौड़

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल। गीता जयंती उत्सव के तहत आरकेएसडी कॉलेज में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ डीसी धर्मवीर सिंह ने किया। वर्तमान समय में गीता की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी में राजकुमार शर्मा ने गीता आरती की। डीसी धर्मवीर सिंह ने कहा कि गीता का संदेश आज भी प्रासंगिक है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत करवाया

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष ललित कुमार गौड़ ने गीता की वैश्विक दृष्टि विषय पर कहा कि आत्मा और परमात्मा दोनों एक हैं और हम सभी परमात्मा का अंश हैं। हमें स्वयं के स्वरूप को समझने की जरूरत है। बुजुर्गों के आचरण का हमें अनुसरण करना चाहिए। सूर्य पूजन के बारे में उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि सूर्य को जल देते समय जल की धारा से सूर्य के दर्शन करने से आंखों की रोशनी तेज होती है। मौके पर एडीसी सतबीर सिंह कुंडु, सीटीएम विजेंद्र हुड्डा, आरकेएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. संजय कुमार गोयल, डा. भीम राव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य ऋषिपाल बेदी, डा. बीडी थापर, डा. ओपी गुप्ता, सरोज चौधरी, उप जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश सिवाच, कैथल के खंड शिक्षा अधिकारी रति राम शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संगोष्ठि में संबोधित करते वक्ता व उपस्थित डीसी धर्मवीर सिंह। -अमर उजाला

इतिहास की जानकारी दी

कैथल के प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. बीबी भारद्वाज ने वर्तमान युग में गीता के महत्व विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि विश्व में श्रीमद्भगवद् गीता जैसी अन्य कोई धार्मिक पुस्तक नहीं है। विश्व की अन्य प्रसिद्ध रचनाओं देवदास व हेलमेट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गीता सहित इन तीनों रचनाओं के नायक असमंजस की स्थिति में हैं।

48 कोस की परिधि के महत्व की जानकारी दी

पिहोवा स्थित डीएवी कॉलेज के प्राचार्य कामदेव झा ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गीता की प्रासंगिकता विषय पर कहा कि ऐसी मान्यता है कि 48 कोस की परिधि में लोगों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि जो व्यक्ति जिस रूप में भगवान को देखता है, भगवान उसी रूप में नजर आते हैं। संसार में ज्ञान से बढ़कर कुछ नहीं है। हमारे संत महात्माओं ने चिंतन के बाद अध्यात्मिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया है। श्रीकृष्ण से बड़ा कोई गुरु नहीं है।

गोष्ठी में गीता के महत्व एवं प्रासंगिकता पर डाला प्रकाश

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते सरदार सुरजीत सिंह व अन्य।

कैथल। जिलास्तरीय गीता जयंती समारोह के तीसरे दिन आरकेएसडी कॉलेज के हॉल में गीता के महत्व एवं प्रासंगिकता पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने श्रीमद्भागवत गीता के संदर्भ में श्रोताओं की जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता सरदार सुरजीत सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मौके पर एसडीएम कलायत जगदीप सिंह, नगराधीश विजेंद्र हुड्डा, डॉ. ऋषिपाल बेदी सहित मुंदड़ी स्थित लव-कुश संस्कृत विश्वविद्यालय के उप कुलपति श्रेयांस द्विवेदी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा, अफगानिस्तान के स्कॉलर डॉ. बहराम रोमेश तथा सैयद हारून आर्मीनि मौजूद रहे। सुरजीत सिंह ने जन साधारण का आह्वान किया कि वे गीता जैसे महान ग्रंथों में दिए गए संदेशो को आत्मसात करते हुए उनसे दिल से जुड़े। डॉ. पुष्पा, डॉ. बीबी भारद्वाज, कार्यवाहक प्राचार्य सतबीर महला, अधिवक्ता दिनेश पाठक सहित ने भी सहयोग किया।

550th Birthday Celebration of Guru Nanak Dev ji

On 31st October, 2019, Punjabi department celebrated 550th birthday of Guru Nanak Dev ji among B.A IInd yr students. Some students sang shabad on Guru Nanak Dev ji, some read shaloks and others presented a talk regarding the religious sermons of Guru Nanak Dev ji.

Punjabi Virsa Function

On 11th February, 2020 Punjabi Department celebrated Punjabi culture through a function on ‘Punjabi Virsa’. Students performed Punjabi Lok Geet, Punjabi Boliyan, Sithniyan and other Punjabi wedding rituals like Baan, Jaago etc.

विश्व स्तर पर छाप छोड़ रही पंजाबी भाषा

कैथल | आरकेएसडी कॉलेज के पंजाबी विभाग द्वारा पंजाबी विरसे का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने पंजाबी गीत, पंजाबी बोलियां एवं पंजाबी सभ्याचार पर प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया की पंजाबी भाषा अत्यंत मीठी भाषा है, यह विश्व स्तर पर प्रभाव छोड़ रही है। हमारे पंजाबी विभाग के विद्यार्थियों को भी कॉलेज की सांस्कृतिक्र गतिविधियों में बढ़चढ़ भाग लेना चाहिए। उन्होंने विभागाध्यक्ष प्रो. शीनू सिंगला को बधाई दी कि उनके नेतृत्व में विभाग सराहनीय परिणाम दे रहा है। इस अवसर पर खनौरी के गंगा डिग्री कॉलेज की पंजाबी प्राध्यापिका डॉ. हरविंद्र कौर मुख्यातिथि के रूप में पहुंचीं। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मी मोर, डॉ. विनय सिंघल, प्रो. अंजलि, प्रो. ऋचा, प्रो. अर्चना, प्रो. सुनीता, प्रो. दीपिका व प्रो. निधि ने पूरा सहयोग दिया।

Religious Trip to Panipat on Guru Teg Bahadur Jayanti

100 students of Punjabi attended 400th Prakashotsav held in Panipat on 24 April 2022 as per the directions of Haryana Government. This event was organized on the occasion of Guru Teg Bahadur Jayanti. In this function, students learned about the sacrifices made by Sikh Gurus for religious freedom.

छात्राओं ने जाना गुरुओं का इतिहास

पानीपत में आयोजित प्रकाशोत्सव में शामिल हुआ विद्यार्थियों का जत्था

Amar Ujala 25-4-22

Celebration of Guru Teg Bahadur Jayanti

History Department and Punjabi Department of the college celebrated the Birth Anniversary of Guru Teg Bahadur Ji through a lecture on 25 April 2022. Dr Kiran Garg (Head, Punjabi Department) told students about the saga of selfless sacrifices made by Sikh Gurus in Indian history. The lecture was attended by 200 students.

गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व एक व्याख्यान माला आयोजित

व्याख्यान माला कार्यक्रम में मौजूद मंचासीन प्राचार्य व अन्य।

कैथल, 25 अप्रैल (महीपाल/गौरव): आर.के.एस.डी. पी.जी. कॉलेज कैथल के इतिहास विभाग द्वारा भारत के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्तव्य डा. किरण गर्ग, विभागाध्यक्ष पंजाबी विभाग का रहा। इसका शुभारंभ प्राचार्य डा. संजय गोयल ने किया।

उन्होंने अपने सम्भाषण में विद्यार्थियों को गुरु के दिखाए रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी। डा. किरण ने गुरु तेग बहादुर की बलिदान गाथा को बहुत ही प्रभावी ढंग से अपने भाषण द्वारा प्रस्तुत किया। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डा. राकेश मित्तल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का इतिहास सिख गुरुओं के योगदान को जाने बिना अधूरा है।

डा. सुरेंद्र मलिक एवं डा. गौरव गोयल ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर डा. विनय सिंघल, डा. रघुबीर लांबा, प्रो. शिनू सिंगला एवं डा. दीपक शर्मा एवं इतिहास एवं पंजाबी विभाग के 120 विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।